एक नजर में

सीएम के कार्यक्रम में न कारकेड न विशेष काफिला

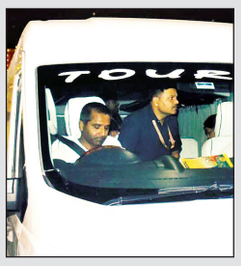

सिंगरौली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सादगी, जनसरोकार और संसाधनों के संयमित उपयोग के संदेश को आत्मसात करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सिंगरौली प्रवास के दौरान एक अलग मिसाल पेश की। मुख्यमंत्री पारंपरिक कारकेड और विशेष काफिले के बजाय बस से कार्यक्रम स्थल पहुंचे, जिससे उनकी सादगीपूर्ण और जनसामान्य से जुड़ी कार्यशैली की झलक देखने को मिली। मुख्यमंत्री के साथ बस में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री एवं जिले की प्रभारी मंत्री संपतिया उइके, राज्य मंत्री राधा सिंह, सांसद डॉ. राजेश मिश्रा, विधायक सिंगरौली रामनिवास शाह, देवसर राजेंद्र मेश्राम, म.प्र. गृह निर्माण मंडल के अध्यक्ष ओएस जैन मौजूद रहे।

बरगवां में जननी एम्बुलेंस और ट्रैक्टर में भिड़ंत

सिंगरौली। बरगवां थाना क्षेत्र के गड़ेरिया इलाके में देर रात जननी एम्बुलेंस और ट्रैक्टर-ट्रॉली के बीच जोरदार टक्कर हो गई। बताया जा रहा है कि अनियंत्रित एम्बुलेंस सीधे ट्रैक्टर की ट्रॉली से जा भिड़ी। हादसा इतना तेज था कि दोनों वाहनों के हिस्से बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। घटना में एम्बुलेंस चालक बाल-बाल बच गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार टक्कर के बाद मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। हालांकि किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। हादसा बीते दिन शुक्रवार देर रात का बताया जा रहा है। सूचना मिलने पर स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और स्थिति को संभाला। दुर्घटना के कारणों का पता लगाया जा रहा है।

करसुआलाल के उत्तर टोला का ट्रांसफॉर्मर 10 दिनों से खराब

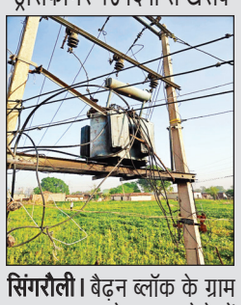

सिंगरौली। बैढ़न ब्लॉक के ग्राम करसुआलाल के उत्तर टोले में स्थित ट्रांसफार्मर पिछले 10 दिनों से जला हुआ है। उपभोक्ताओं का आरोप है कि इस भीषण गर्मी में बिजली के न होने से त्राहि-त्राहि मची हुई है। 45 डिग्री के इस तापमान में छोटे-छोटे बच्चे भी गर्मी से व्याकुल हैं। ट्रांसफार्मर बदले जाने के लिए कई बार एमपीईबी के अधिकारियों को सूचना दी गई, लेकिन अभी तक ट्रांसफार्मर नही बदला गया है। उपभोक्ताओं ने कलेक्टर एवं अधीक्षण अभियंता सिंगरौली का ध्यान आकृष्ट कराया है।

गंगा दशहरा पर प्रदेश भर में होंगे जल संरक्षण के कार्य : डॉ .मोहन

मैं कारों का काफिला छोड़कर बस से आया हूं, मुख्यमंत्री ने सिंगरौली को 552 करोड़ रुपए के निर्माण कार्यों की सौगात दी

नवभारत न्यूज

सिंगरौली, 23 मई। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सिंगरौली जिले के 18वें स्थापना दिवस समारोह में कहा कि भगवान ने सिंगरौली को खनिज पदार्थों का वरदान दिया है। यहां के लोगों में परिश्रम और प्रतिभा की विशेष कृपा है। यहां के लोगों को भगवान ने विशेष प्रतिभा दी है, यहां सोने जैसे मन वाले लोग हैं और यह प्रदेश का एकमात्र जिला है, जहां की धरती में भी सोना है। सिंगरौली तेजी से विकास कर रहा है।

सिंगरौली प्रदेश में ऊर्जा का सुपर पावर हाउस है। यहां के प्रतिभाशाली पांच बच्चों ने बोर्ड परीक्षा की मेरिट में स्थान बनाया है। वर्तमान और भविष्य, दोनों सिंगरौली के हैं। मुख्यमंत्री ने एनटीपीसी के

उमंग सभागार में आयोजित समारोह में कहा कि राम अयोध्या में मुस्कुरा रहे हैं और मथुरा में भगवान कृष्ण भी मुस्कुराएंगे। हमने सांदीपनि विद्यालयों का निर्माण शुरू किया है। ये विद्यालय प्रदेश में आधुनिक शिक्षा का परचम लहराएंगे। भगवान श्रीकृष्ण ने उज्जैन आकर गुरु सांदीपनि से शिक्षा प्राप्त की थी और युद्ध के मैदान में गीता का सुंदर उपदेश दिया। हम प्रदेश के प्रत्येक नगर में गीता भवनों का निर्माण कर सनातन ज्ञान की विरासत को सुरक्षित करने का प्रयास कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि जल ही जीवन का आधार है। प्रदेशभर में गुड़ी पड़वा से 30 जून तक जल संरक्षण और संवर्धन के लिए जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है। देश में जल संरक्षण के सर्वाधिक कार्य म.प्र. में हुए हैं। गंगा दशहरा के एक दिन पहले पूरे प्रदेश में जल संरक्षण के कई बड़े आयोजन किए जाएंगे। हम किसानों की आय बढ़ाने के लिए लगातार प्रयास कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि बिजली उत्पादन 5 हजार मेगावाट से बढ़कर 25 हजार मेगावाट हो गया है। प्रदेश में 24 घंटे बिजली आपूर्ति के साथ-साथ हम दूसरे राज्यों को भी बिजली दे रहे हैं। दिल्ली मेट्रो भी हमारी बिजली से संचालित हो रही है। दुग्ध उत्पादन बढ़ाने तथा स्वरोजगार को प्रोत्साहित करने के लिए भी विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। लाड़ली बहना योजना के तहत हर महीने बहनों को 1500 रुपये दिए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि विश्व में खाड़ी युद्ध के कारण उत्पन्न वैश्विक संकट के बावजूद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश और प्रदेश तेजी से विकास कर रहे हैं। इस संकट के बीच भी हम किसानों से निर्धारित समर्थन मूल्य पर 100 लाख टन से अधिक गेहूं का उपार्जन करेंगे। आवश्यकता पड़ने पर उपार्जन की अवधि भी बढ़ाई जाएगी। साथ ही सांसद डॉ. राजेश मिश्रा ने कहा कि मुख्यमंत्री ने सिंगरौली के स्थापना दिवस पर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स सहित करोड़ों रुपये के निर्माण कार्यों की सौगात दी है।

उन्होंने सिंगरौली एयरपोर्ट, अंतरराज्यीय बस स्टैंड एवं गौ अभ्यारण्य निर्माण की मांग रखी। वहीं विधायक रामनिवास शाह ने मुख्यमंत्री का स्वागत करते हुए विभिन्न विकास कार्यों की मांग रखी। समारोह में मुख्यमंत्री ने कन्या पूजन कर बेटियों का सम्मान भी किया। इस अवसर पर जिले की प्रभारी मंत्री संपतिया उइके, ग्रामीण विकास राज्य मंत्री राधा सिंह, गृह निर्माण मंडल के अध्यक्ष ओम जैन, विधायक राजेंद्र मेश्राम, विश्वामित्र पाठक, कुंवर सिंह टेकाम, सीडा अध्यक्ष वीरेंद्र गोयल, ननि अध्यक्ष देवेश पांडेय, जिपं उपाध्यक्ष अर्चना सिंह, भाजपा जिलाध्यक्ष सुंदरलाल शाह, पूर्व विधायक रामलल्लू वैश्य, कमिश्नर रीवा बीएस जामोद, आईजी गौरव राजपूत, कलेक्टर गौरव बैनल, एसपी शिराज केएम, जिपं सीईओ जगदीश गोमे, स्थानीय जनप्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में महिलाएं मौजूद रहीं।

मुख्यमंत्री ने बेटियों का बढ़ाया हौसला

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सिंगरौली प्रवास के दौरान एनटीपीसी विंध्याचल द्वारा संचालित बालिका सशक्तिकरण अभियान में शामिल ग्रामीण परिवेश की बालिकाओं एवं जीईएम 2.0 कार्यक्रम के अंतर्गत चयनित बच्चों से आत्मीय संवाद कर उनका उत्साहवर्धन किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि बेटियां समाज और राष्ट्र के उज्ज्वल भविष्य की आधारशिला हैं, इसलिए उन्हें शिक्षा, आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता के साथ आगे बढ़ने के लिए हरसंभव अवसर मिलना चाहिए। बच्चों ने मुख्यमंत्री का स्वागत स्वयं निर्मित हस्तशिल्प गुलदस्तों एवं स्वागत पत्रों से किया तथा वह शक्ति हमें दो दयानिधे प्रार्थना और स्वागत गीत की प्रस्तुति देकर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। संवाद के दौरान बच्चों ने कराटे, नृत्य और संगीत जैसे प्रशिक्षणों के अनुभव साझा किए तथा अपने भविष्य के सपनों के बारे में बताया।

26 दिव्यांगजनों को दी आत्मनिर्भरता की सौगात

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सिंगरौली प्रवास के दौरान संवेदनशीलता और सामाजिक सरोकार का परिचय देते हुए उत्सव भवन, एनटीपीसी में आयोजित कार्यक्रम में जिले के 26 दिव्यांगजनों को मोटराइज्ड ट्राईसाइकिल प्रदान की। मुख्यमंत्री ने स्वयं हितग्राहियों के बीच पहुंचकर उन्हें ट्राईसाइकिल की चाबियां सौंपीं और आत्मीय संवाद कर उनका उत्साह बढ़ाया। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का उद्देश्य केवल सुविधाएं उपलब्ध कराना नहीं, बल्कि दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भर और सम्मानजनक जीवन जीने के लिए सशक्त बनाना है। बैटरी चालित ये ट्राईसाइकिल दिव्यांगजनों की दैनिक आवाजाही को आसान बनाने के साथ शिक्षा, रोजगार और सामाजिक सहभागिता के नए अवसर भी उपलब्ध कराएंगी। मुख्यमंत्री की आत्मीय पहल से हितग्राहियों के चेहरों पर खुशी और आत्मविश्वास साफ झलकता नजर आया।

552 करोड़ रुपए की लागत के 71 निर्माण कार्यों की सौगात दी

ऊर्जा संरक्षण का संदेश देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि हम सब मिलकर ऊर्जा संरक्षण में योगदान दें। मैंने भी आज वाहनों का काफिला छोड़कर हेलीपैड से कार्यक्रम स्थल तक बस से यात्रा की है। सीएम ने कहा कि सिंगरौली जिले को आज 552 करोड़ रुपये की लागत के 71 निर्माण कार्यों की सौगात दी गई है। लाड़ली बहनों को गैस अनुदान के रूप में 114.97 करोड़ रुपये जारी किए गए हैं। समाज कल्याण योजनाओं से लाभान्वित 69.71 लाख हितग्राहियों को 202 करोड़ 26 लाख रुपये की राशि जारी की गई है। उन्होंने सभी सिंगरौलीवासियों को जिले के 18वें स्थापना दिवस की बधाई देते हुए कहा कि सिंगरौली के विकास में कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी। हमारी सरकार जो कहती है, वह करके दिखाती है। समारोह में सीएम ने विभिन्न स्वरोजगार योजनाओं के हितग्राहियों तथा लाड़ली लक्ष्मी योजना के हितग्राहियों को हितलाभ वितरित किए।

आधा दर्जन कांग्रेसियों को किया नजरबंद

नवभारत न्यूज

सिंगरौली, 23 मई। मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर प्रशासन एवं पुलिस ने काफी सख्ती दिखाई है। विरोध करने के तैयारी में लगे बैढ़न व सरई अंचल के करीब आधा दर्जन कांग्रेसियों को पुलिस ने नजर बंद कर दिया है।

जानकारी के अनुसार नवानगर पुलिस द्वारा युवा कांग्रेस जिला उपाध्यक्ष मनोज सिंह को अमलोरी आवासीय परिसर से उठाकर नजरबंद कर दिया गया है, इससे पहले नवानगर ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष पंकज पाण्डेय, जिला यूथ इंटक

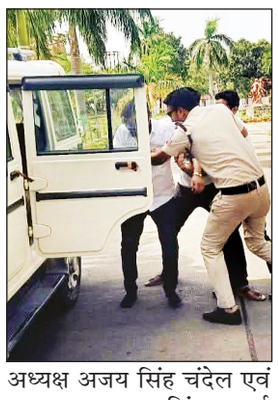

अध्यक्ष अजय सिंह चंदेल एवं कमल नारायण सिंह ,सरई अंचल के मनीष गुप्ता, अरमान अली एवं अरुण जायसवाल को भी नजरबंद किया गया।

हिंडालको रेनुसागर ने अनपरा क्षेत्र में प्याऊ का किया शुभारम्भ

नवभारत न्यूज

अनपरा,23 मई। भीषण गर्मी एवं बढ़ते तापमान को देखते हुए हिन्डाल्को इंडस्ट्रीज लिमिटेड रेनुपावर डिवीजन रेनुसागर के यूनिट हेड आरपी सिंह के मार्गदर्शन में ग्रामीण विकास विभाग रेनुसागर द्वारा सीएसआर के अंतर्गत औड़ी, अनपरा एवं डिबुलगंज क्षेत्र में आमजन को शीतल पेयजल एवं ओआरएस घोल उपलब्ध कराने के लिए प्याऊ लगाकर जनसेवा का कार्य किया गया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि अनपरा नगर पंचायत के चेयरमैन विश्राम प्रसाद बैसवार,

विशिष्ट अतिथि अधिशासी अधिकारी अपर्णा मिश्रा एवं एचआर हेड आशीष पांडेय तथा ईआर हेड मृदुल भारद्वाज ने फीता काटकर प्याऊ का शुभारम्भ किया। कार्यक्रम में उपस्थित जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं स्थानीय नागरिकों ने हिंडालको रेनुसागर की इस जनहितकारी पहल की सराहना करते हुए कहा कि कंपनी द्वारा समय-समय पर क्षेत्र में सामाजिक एवं जनकल्याणकारी कार्य किए जाते रहे हैं, जिससे आमजन को प्रत्यक्ष लाभ मिलता है।

सरई अंचल में घरेलू गैस की कालाबाजारी जोरों पर

नवभारत न्यूज

सरई 23 मई। सरई में घरेलू गैस सिलेंडरों की कालाबाजारी चरम पर पहुंच गई है। भारत गैस का 14.2 किलो का घरेलू सिलेंडर सरकारी रेट करीब 1000 रुपए के बजाय 1600 रुपए में खुलेआम बेचा जा रहा है। सबसे बड़ी बात यह है कि कालाबाजारी का यह खेल सरई थाना परिसर के ठीक बगल में चल रहा है।

स्थानीय उपभोक्ताओं ने आरोप लगाया कि भारत गैस एजेंसी संचालक मनमानी दाम वसूल रहे हैं। बिल मांगने पर ग्राहकों को साफ मना कर दिया जाता है। एक पीड़ित उपभोक्ता ने बताया, घर में खाना बनाने के लिए मजबूरी में 1600 रुपए देने पड़े। एजेंसी वाला कहता है लेना है तो लो। गैस की कमी चलते मांग बढ़ने से कालाबाजारी और तेज हो गई है। थाने के बगल में दिनदहाड़े हो रही इस लूट से लोग हैरान हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि प्रशासन की चुप्पी कई सवाल खड़े करती है। उपभोक्ताओं का आरोप है कि खाद्य विभाग का अमला भी चुप है। जबकि इसके बारे में कई बार शिकायते भी कलेक्टर व एसडीएम को मौखिक रूप से की जा रही है। नतीजा ठाक से तीन पात की तरह निकल रहा है।

सुमंगलम को गारमेंट शॉप स्थापना के लिए 1 करोड़ रुपए मंजूर

मुख्यमंत्री ने विभिन्न स्वरोजगार एवं आजीविका योजनाओं के हितग्राहियों को वितरित किए करोड़ों रुपये के हितलाभ

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 23 मई। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कार्यक्रम में विभिन्न स्वरोजगार, उद्यमिता एवं आजीविका संवर्धन योजनाओं के अंतर्गत हितग्राहियों को करोड़ों रुपये के हितलाभ वितरित किए।

एनआरएलएम की सीसीएल योजना के तहत 169 स्व-सहायता समूहों को बैंक लिंकेज, मत्स्य पालन एवं अन्य गतिविधियों के लिए 4 करोड़ 50 हजार रुपये प्रदान किए गए। एमएसएमई योजना अंतर्गत मे. न्यू सुमंगलम को गारमेंट शॉप स्थापना हेतु 1 करोड़ रुपये, मे. अभय राज एंड संस को कमर्शियल

व्हीकल क्रय के लिए 44 लाख 50 हजार रुपये तथा मे. पारुल इंडस्ट्रीज को होलसेल बिल्डिंग मैटेरियल्स व्यवसाय के लिए 25 लाख रुपये स्वीकृत किए गए। मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना के तहत मो. साहिल को जिम स्थापना के लिए 15 लाख रुपये, प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्यम योजना अंतर्गत मनीष साकेत को आटा मिल के लिए 10 लाख रुपये एवं संजीव कुमार शाह को क्लाउड किचन के लिए 10 लाख रुपये प्रदान किए गए। पीएम स्वनिधि योजना के तहत मनीषा सोनी को 50 हजार रुपये का ऋण वितरित किया गया। वहीं निजी कस्टम हायरिंग योजना के तहत आदित्य कुमार शाह को 8 लाख 41 हजार 520 रुपये तथा विकेश कुमार द्विवेदी को 8 लाख 6 हजार 882 रुपये की अनुदान राशि प्रदान की गई।

विंध्याचल में 15 दिवसीय थिएटर वर्कशॉप का हुआ समापन

नवभारत न्यूज

विंध्यनगर 23 मई। एनटीपीसी विंध्याचल परियोजना के उमंग भवन में 15 दिवसीय थिएटर वर्कशॉप का हुआ समापन किया गया।

राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार, साहित्यिक अभिरुचि जागृत करने एवं ग्रीष्मकालीन अवकाश का रचनात्मक सदुपयोग करने के उद्देश्य से यह कार्यशाला विंध्य क्लब में संचालित की गई। प्रशिक्षण का संचालन शैडो ग्रुप, भोपाल की विशेषज्ञ टीम द्वारा किया गया। समापन समारोह के मुख्य अतिथि परियोजना प्रमुख संजीव कुमार साहा रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में महाप्रबंधक एजे राजकुमार

मौजूद रहे।

इस अवसर पर सभी विभागों के विभागाध्यक्ष, यूनियन एवं एसोसिएशन के प्रतिनिधिगण, मानव संसाधन विभाग के अधिकारीगण तथा बड़ी संख्या में कर्मचारी सहभागी जन सपरिवार मौजूद रहे। मुख्य अतिथि संजीव कुमार साहा ने अपने उद्बोधन में कहा कि इस प्रकार की कार्यशालाएँ कर्मचारियों एवं उनके परिवारजनों में रचनात्मकता के साथ-साथ राजभाषा हिंदी के प्रयोग को भी बढ़ावा देती हैं।

व्हीआईपी कल्चर के खिलाफ लोगों ने खुलकर बोला

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 23 मई। मुख्यमंत्री के काफिले के लिए आम जनता को 44 डिग्री की भीषण गर्मी में घंटों सड़क पर रोक दिया गया, जिसके बाद लोगों का सब्र टूट गया और सैकड़ों वाहनों के हॉर्न एक साथ गूंज उठे। पूरा शहर मानो कह रहा था, अब बस बहुत हो गया, व्हीआईपी कल्चर।

दरअसल सीएम के काफिले को निकालने के लिए पुलिस ने जगह-जगह बैरिकेडिंग कर आम लोगों की आवाजाही रोक दी। नौकरी, इलाज, परीक्षा और जरूरी कामों से जा रहे लोग धूप में तड़पते रहे, लेकिन व्हीआईपी मूवमेंट नहीं रुका। गर्मी से परेशान लोगों ने सड़क पर ही हॉर्न बजाकर अपना विरोध दर्ज कराया। कई लोग पुलिस और प्रशासन पर भेदभावपूर्ण रवैये का आरोप लगाते नजर आए। लोगों का कहना है कि आखिर जनता कब तक नेताओं के काफिलों के लिए सड़क पर बंधक बनती रहेगी।

एक तरफ सरकार जनता की सुविधा की बात करती है, दूसरी तरफ व्हीआईपी मूवमेंट के नाम पर आम आदमी को घंटों परेशान किया जाता है। लोगों ने साफ कहा कि सुरक्षा जरूरी है, लेकिन जनता को प्रताड़ित करके नहीं। बिहार में व्हीआईपी काफिले के खिलाफ हुए हॉर्न प्रोटेस्ट के बाद अब सिंगरौली में भी उसी तरह का गुस्सा देखने को मिला है।

एक महीने बाद भी नहीं बदले हालात, वायदे साबित हुए खोखले

पानी, बिजली और शौचालय के लिए तरस रहे बैगा बस्तीवासी, नेताओं के आश्वासन हवा में, एनसीएल प्रबंधन एवं जिला प्रशासन पर उपेक्षा के आरोप

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 23 मई। निगाही वार्ड क्रमांक 22 स्थित बैगा बस्ती में एक माह पूर्व हुई मारपीट की घटना के बाद नेताओं, जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों की सक्रियता तो दिखाई दी, लेकिन समय बीतने के साथ ही सारे दावे और आश्वासन धरातल पर बिखरते नजर आ रहे हैं।

आज भी बैगा बस्ती के लोग पानी, बिजली, शौचालय और साफ-सफाई जैसी मूलभूत सुविधाओं के अभाव में बदहाल जीवन जीने को मजबूर हैं। घटना के बाद प्रदेश की राज्यमंत्री राधा सिंह स्वयं बैगा बस्ती पहुंची थीं। उन्होंने पीड़ित परिवारों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनी थीं। उस दौरान एसडीएम एवं एनसीएल अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए थे कि एक सप्ताह के भीतर बस्ती में सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं।

राज्यमंत्री ने यह भी कहा था कि वे स्वयं दोबारा पहुंचकर व्यवस्थाओं का फॉलोअप लेंगी। लेकिन एक माह गुजर

जाने के बाद भी हालात जस के तस बने हुए हैं। बस्तीवासियों का आरोप है कि नेताओं के साथ-साथ प्रशासनिक अधिकारी व एनसीएल प्रबंधन भी अपनी जिम्मेदारियों को भूल बैठे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि उस समय कैमरों और भीड़ के बीच बड़े-बड़े वादे किए गए, मगर आज तक न तो पेयजल व्यवस्था सुधरी, न बिजली पहुंची और न ही साफ-सफाई की समुचित व्यवस्था हो सकी।

अंधेरे में जीवन यापन करने को मजबूर बैगा बस्ती

भीषण गर्मी के बीच आदिवासी परिवार बूंद-बूंद पानी के लिए संघर्ष कर रहे हैं। अंधेरे में जीवन यापन करने को मजबूर लोगों में अब प्रशासन और जनप्रतिनिधियों के प्रति नाराजगी बढ़ती जा रही है। बैगा समाज के लोगों का कहना है कि घटना के समय सहानुभूति दिखाने वाले जनप्रतिनिधि अब बस्ती की ओर झांकने तक नहीं आ रहे। पीड़ित परिवारों ने कहा कि मारपीट की घटना के बाद उन्हें अस्पतालों के चक्कर लगाने पड़े, लेकिन स्थायी राहत आज तक नहीं मिल सकी। अब बस्तीवासियों के बीच यह चर्चा तेज हो गई है कि आखिर उनके जीवन की बुनियादी जरूरतों की जिम्मेदारी कौन लेगा। स्थानीय नागरिकों ने जिला प्रशासन एवं एनसीएल प्रबंधन से तत्काल हस्तक्षेप कर बैगा बस्ती में मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग की है। लोगों का कहना है कि यदि जल्द व्यवस्था नहीं सुधरी तो बैगा समाज आंदोलन का रास्ता अपनाने को मजबूर होगा।